वर्ष-36 | अप्रैल - 2016 | अंक-12 | रु.10/-

हिन्दी प्रचार वाणी

समस्त पाठकों को युगादी पर्व की शुभकामनाएं

इन महान् हस्तियों को पुण्यतिथि के लिए अर्पित हार्दिक श्रद्धा सुमन ।

बंकिमचन्द्र चटर्जी

महापंडित राहुल सांकृत्यायन

रामधारी सिंह "दिनकर"

डॉ. सर्वेपल्ली राधाकृष्णन

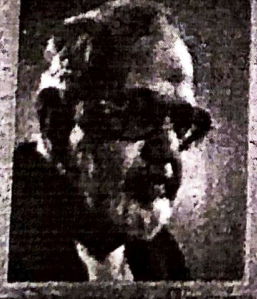

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय

मोरारजी देसाई

पं.विष्णुकांत शास्त्री

विष्णु प्रभाकर

PRINCIPAL
Kanara Welfare Trust's

कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति

RNI.No.KARHIN/2009/29806 **HINDI PRACHAR VANI** **10th of every Month**
REG.RNP/KA/BGS-2124/2015-2017 TOTAL PAGES : 32+4=36 **POSTED AT BG.PSO. Mysore Road**
Licensed to Post without pre-payment Licensed No. WPP-200 **BANGALORE - 560026**

19 फरवरी 2016 को दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद में आयोजित साहित्य मंथन समारोह में 'स्रवंति' की सह-संपादिका डॉ.गुर्रमकोंडा नीरजा की पुस्तक अनुप्रयुक्त
" भाषाविज्ञान की व्यावहारिक परख"
का लोकार्पण करते हुए कार्यालय के अधिकारी गण दर्शित हैं ।

दि. 15-16 मार्च, 2016 के एक समारोह में श्री रमेश यादव, सितार वादिका अनुपमा भागवत जी तथा गायिका शुभा मुदगल जी, भोलेनाथ का रूप धारण किये कलाकार को समिति की मासिक पत्रिका "हिन्दी प्रचार वाणी" भेंट करते हुए दर्शित है ।

Smt. Sandhya Datta Kadam
Divekar College of Commerce
Kodibag Karwar
N. K. Dist

If undelivered please return to
KARNATAKA MAHILA HINDI SEVA SAMITHI
NO. 178, 4th Main Road, 6th Cross,
Chamarajpet,
Bangalore-560 018
Phone : 080-26617777

कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति, चामराजपेट, बेंगलोर की ओर से श्रीमती बी.एस. शांताबाई, एम.ए., द्वारा के.एम.हेच.एस.एस. प्रेस, 178, चौथा मैन रोड, चामराजपेट, बेंगलोर-18, में मुद्रित, प्रकाशित एवं संचालित। दूरभाष : 26617777 E-mail: kmhssbg@yahoo.com

जाता है कि आज धन-बल और बाहुबल के जोर पर सबकुछ हासिल किया जा सकता है । स्पष्ट है कि बात राष्ट्रीय एकता की हो रही है, जबकि काम उसके उल्टे किए जा रहे हैं ।

राष्ट्रीय एकता के लिए कुछ सूत्र हैं :

1. मानव के व्यक्तित्व की एकता साधित करना, अर्थात् मनुष्य के शरीर, मन और आत्मा के बीच सामञ्जस्य लाना ।
2. समाज में से विघटनकारी तत्वों को निकाल बाहर करना ।
3. राजनीति में नीति का समावेश करना ।
4. सेवा को सत्ता के ऊपर स्थान देना ।
5. सर्वधर्म समभाव की भावना को बढ़ावा देना ।
6. मानवीय मूल्यों को वरीयता प्रदान करना ।
7. सत्ता और उसके वर्चस्व को अस्वीकार करना ।
8. राष्ट्रभाषा हिन्दी को उसके पद पर आसीन करना ।
9. सार्थक लोकतंत्र की स्थापना करना ।
10. प्रशासन में सही आदमियों का चुनाव करना ।
11. सादगी का सात्विक जीवन अपनाना ।

महात्मा गांधी ने ग्राम-स्वराज की कल्पना की थी, क्योंकि वह मानते थे कि भारत गांवों में बसता है और गांवों में रहने वाला किसान सबका अन्नदाता है ।

उन्होंने यह भी कहा था कि शासन नीचे से होना चाहिए, अर्थात् वह पंचायत-राज के पक्षपाती थे । वह चाहते थे कि पंचायतें चरित्रवान लोगों को चुनकर ऊपर भेजें और शासन की बागडोर सच्चे, ईमानदार और सच्चरित्र लोगों के हाथों में हो ।

राष्ट्रीय एकता देश को निडर और साहसी बना देगी तो देश को धोखा देने की किसी की हिम्मत नहीं होगी । पर राष्ट्रीय एकता पैसा बहाने से नहीं हो सकेगी । कमेटियां और कमीशन भी देश को एक सूत्र में नहीं बांध सकते । यदि देश में निर्भयता और पुरुषार्थ होगा तो एकता के लिए प्रयत्न नहीं करना होगा, वह अपने आप स्थापित हो जायेगी । निर्भयता और पुरुषार्थ चरित्र से प्राप्त होता है ।

मंगल प्रभात फरवरी - 2016 अंक से साभार

बलिदान

वतन पर जान कुर्बान करेंगे, माता भारती की
शान बचायेंगे ।
बहादूरों आगे बढ़ते जाना,
दुश्मनों को मिटा देना
लहू बिछाये माता का मान बढ़ाते जाना
गद्दार न घुसपैठ करे, न सरहद पार करे
उने चुन-चुनकर मारे, फिर कभी न निहारे ।
अपने गुलिस्थान पर नाज करना
अमन चयन से जीते रहना
कश्मीर हमारा स्वर्ग है, आतंक कैसे फैलाएगा ?

कहा नही सुनेगा तो, गोली खाकर मरेगा ।
हर सितम छेलकर भी माँ तुझे हम बचायेंगे
सुरक्षा तेरी करते-करते, खुद की जान मिठा देंगे ।
दुश्मनों की मुंड उढ़ायेंगे, तेरे चरनों में चढ़ायेंगे ।
लाख बाधा आने पर भी हम तुझे सजायेंगे ।
नादिर कितना होशियार रहे हम उसे मिटायेंगे ।
हर पल तेरी याद में, हम अपनों से छुट जायेंगे ।
गम नहीं खुद मिटने से, हम कहेंगे अभिमान से
भारत माता अमर रहे वीरों की बलिदान से ।

श्रीमती संध्या दत्ता कदम
केनरा वेलफेर ट्रष्ट्स, दिवेकर कालेज ऑफ कामर्स
कोडीबाग, कारवार-581 532
मो. 09448796762